



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

8 810825

8 810825

8 810825

-4-

पथन पक्ष की संख्या— 14

द्वितीय पक्ष की संख्या— 1

विक्रान्तानन्द या विक्रम

कता का विक्रम

1. पत्नीदीन 2. राम शर्मा 3. बुरखु पुत्रगण
 मन्जरू 4. मालादीन मून फलू 5. दिनेश
 कुमार पुत्र महादीन 6. ... 7.
 अजय कुमार 8. अजय कुमार मुकेश
 विमल कुमार (9. विदेन्द्र कुमार 10.
 राजेन्द्र कुमार 11. वीरेंद्र कुमार) सभी
 नामलिंग, पुत्रगण विमल कुमार द्वारा

जय नारायण पुत्र राम
 केशव निवासी ग्राम—
 38 रेवाड़ी, परिया टोड़ा
 तहसील जालगांव,
 जिला रायबरेली

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the document, including names like 'अजय' and 'विमल कुमार'.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

E 270884

B-810529



<p>वैश्विक सर्वोच्च न्यायालय कीमती निमेष</p> <p>दोनों पक्षों के निमेष कुल 12 कीमती निमेष</p> <p>निमेष दधी पानी निमेष कुमार 13</p> <p>विशेषानन्द गुप्त महावीर 14 कीमती निमेष</p> <p>सर्वोच्च न्यायालय सर्वोच्च महावीर निमेष</p> <p>निमेषानन्द-सुमुख नगर बनियाम, परगना बिजौरी जिला लखनऊ।</p>	
<p>अवकाश कुमि</p>	<p>अवकाश कुमि</p>

Handwritten signatures and stamps are present below the table. The signatures are in Hindi and appear to be official approvals. There are several dark, circular ink smudges or stamps scattered across the bottom right area of the document.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

E 310826

B 310826



२०३ विजय सिंह १. मरीदीन २. राम खन्ना ३. सुशु मुखर्जी
 ४. मलदीन पुत्र पत्नी ५. विजय कुमार पुत्र महादीन ६. विमल
 कुमार ७. अजय कुमार ८. अजय कुमार पुत्राथ विमल कुमार ९. जिलेन्द्र
 कुमार १०. राजेन्द्र कुमार ११. गीरेन्द्र कुमार (मिनी नाथलिया) पुत्राथ
 विमल कुमार १२. गीरेन्द्र कुमार (मिनी नाथलिया) पुत्राथ
 विमल कुमार १३. श्रीमती निर्मला देवी पत्नी विमल कुमार १४.
 विवेकानन्द पुत्र महादीन १५. श्रीमती राजकु देवी पत्नी सुशु मुखर्जी
 निवासीगण-बुसुफ नगर बनियासक, परगना विधानीर जहासील व जिला
 जयनगर जिले अर्ध विवेकानन्द कान बन १६. सुदन् जय प्रकाश पुत्र
 राम किशोर दिवानी बान-३० रेवादी, प्रदेस जेहा जहासील जहासील

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the document, including a large signature in the center and several smaller ones to the right.



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

FRANCE

E. 810826



जिला बखरवेली जिल्हे अने फौजा जमा गेया हीं के मध्य निष्पादित
 गेया गज। विरलेगम व गंगा राज के अन्तर्गत जल्के विधिक
 पारदर्शिकनी, वारेसन ए/ निष्पादकनाय समेवित्त है।

यह के विज्ञेतालय भूमि जल्के संख्या 118 गववा 0251
 ज। का पूर्ण नाम स्थित ग्राम- दूल्फु नाम जल्के अधिवासाय गवगत
 मिलनी, जल्कील व जिला सलगत का मालिक कागिस व पावित
 है तथा सत्यापित प्रमाणिक जल अतीनी इन संख्या 0251 के
 अनुसार भूमि विज्ञेतालय के नाम संकल्पित नुम्बर के जल में दर्ज
 है और विज्ञेतालय ज। जल भूमि जेका जल्के का पूर्ण अधिकार



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

LA 838757

को सम्मान देकर विद्वानों - ज्ञान का उपकार तथा जो
 अज्ञान दूर करने में योग्य कार्य करके तब किया है कि मुझे
 अधिकृत होने के पक्ष में मान लेता या उसका अधिकृत व्यक्ति की
 अधिकृत प्राप्त करने में अधिकृत होता। विद्वानों द्वारा मुझे
 अधिकृत के अधिकृत व अधिकृत के अधिकृत प्राप्त होने वाले
 अधिकृत पर किसी प्रकार का कोई एक नहीं होता।

यह कि विद्वानों अपना जन्म दिवस के लिए या इस विद्वान
 विद्वान द्वारा विद्वान के लिए विद्वानों के अधिकृत मुझे के
 अधिकृत कामिता व अधिकृत है और एक मुझे सम्मान मुझे का
 दिवस नहीं है। इस मुझे अधिकृत करने का काम व करने की

अज्ञान को
 अज्ञान विद्वानों के
 अज्ञान को
 अज्ञान को



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AA 855/02

F 402/00

- 10 -

सूची नहीं है। यह कि मिलानाम यह शर्तित करता है कि उपरोक्त
 नामित मुनि सभी प्रकार के भारों से मुक्त एवं स्वयं से मुक्त है तथा
 मिलानाम से उसे हरा विद्वान से पूर्ण कर्तव्य न्याय, विद्वान् या
 अनुसंधान इत्यादि नहीं किया है। मिलानाम से उक्त मुनि पर कृपि
 स्वयं या अन्य प्रकार का कोई स्वयं नहीं किया है। यदि कोई ऐसा
 स्वयं नविद्य में निकलता है तो उसके निम्नोक्त विद्वानाम से उसके
 परिधान से विद्वान् स्वयंनविद्यारी हों। उपरोक्त मुनि या उक्त
 कोई नाम किसी न्यायालय या न्यायरी कार्यवाही के अन्तर्गत स्वयं
 का कार्य विषय नहीं है न ही मुक्त इत्यादि है। मिलानाम से
 ज्ञाता उक्त मुनि में किसी अन्य व्यक्ति का स्वयं उक्त से मुक्त

[Signature 1] [Signature 2] [Signature 3] [Signature 4] [Signature 5]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

A 238757

11-

इत्यादि गरीबों को पूर्ण विकलांगता को प्राप्त किया जाता है। अतएव उपरोक्त पत्नी को अत्यल्प मूल
 दिवस मूल १०० ३२००/००/- केवल बर्तीय शीत छः ही वर्षों
 मात्र, जो प्रतिकूल में जिसका उपयोग केवल पूर्ण विकलांगता को प्राप्त
 विवेक के अन्त में ही गरीब अनुसूची में वर्गीकृत विधि के अनुसार
 भुजान कर दिया गया है एवं जिसकी प्राप्ति को विकलांगता गरीब
 अधिकार करता है, अतएव उक्त विकलांगता लाभ के तहत
 उपरोक्त वर्गित मूल, जिसका दिवस इस विवेक विवेक के अन्त में
 अनुसूची के अन्तर्गत दिया गया है, को अन्तर्गत कर दिया है, जो
 विकलांगता में विकलांगता गरीबों को प्राप्त कर दिया गया है।

1. [Stamp] 2. [Stamp] 3. [Stamp] 4. [Stamp] 5. [Stamp]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



बन्दा दिया गया है। अब उक्त आदेशों पर विवेकात्मक ढंग से उक्त व्यवस्था का कोई अधिकार नहीं है। विवेकात्मक न विकल्पानुसार शर्तों को अपने स्वामित्व के समस्त अधिकारों से साथ पूर्णतया अज्ञात के लिए जमा को हस्तांतरित कर दिया है। अब उक्त विकल्पानुसार शर्तों एवं उक्तके प्रत्येक भाग को अपने एकलव्य स्वामित्व में अधिकार में लाने में शर्तों के साथ में धारण एवं हस्तांतरण में हस्तांतरण करेंगे। विवेकात्मक व उक्तके परिचय करने किसी प्रकार की अवधान नहीं कर सकेंगे एवं न ही कोई भाग कर सकेंगे और यदि विकल्पानुसार सम्पत्ति प्रथम कोई भाग विकल्पानुसार स्वामित्व में लाने के कारण का कानूनी अधिकार का



 13/04/20
 अर्जतः
 विकल्पानुसार
 अर्जतः



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



- 15 -

कानूनी दृष्टि के कारण केंद्र या उसके अधिकांत विभाजितकर
 विस्थापित के कार्य या अधिकांत या काल से निकल कर्य हो केंद्र
 कालके परिधान निष्पदकाल कथादि भी यह एक हीनर कि यह
 कथन नरन्त बुद्धिमान यह हज्ज व चयन विवेकागण की चल
 नरन्त कथारि से करिय अदातन प्रसूत कर लें। जब स्थिति में
 विवेका एवं कालके अधिकांत हज्ज व चयन देते हुं बाध्य होगा।

यह कि भूमि अधिकांत हो जाने की वजह से अधिकांत भूमि का
 अधिकार प्राप्त करने का अधिकांत केंद्र या केंद्र द्वारा अधिकांत अधिकांत
 कर्य होगा। विवेकागण व कालके अधिकांत से किसी अन्य व्यक्ति को अधिकार
 प्राप्त करने का हक न होगा। विवेकागण या कालके अधिकांत से कोई भी



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



किंवा मरिच न उगत रुने न अधिप्राप्त व प्रदिक्टर से सम्बन्धित कोई
 कृत/मुकदमा किंवा न्यायालय/अपेक्षारी/न्यायिकरण के सम्बन्ध नहीं
 रहेगा।

यह कि कृता किमन्तुदा सम्बन्धित की पश्चित कश्चित नामक
 अभिलेखों में अपने नाम दर्ज करा ले तो किंवा को कोई आभिले न
 लेगी और यह कि इस लिखत लिखक के दूरी का अंगत कोई कस्या
 किंवा हरत का मार इस सम्बन्धित पर होगा जो कस्या किंवागण
 प्रकृतान व मान करेगे, किंवा को कोई आभिले न होगी।

यह कि उपरोक्त सप्तत नामक नाम गुरुत नामक एवं बगिबानक
 कर्तव्यरी व दंड के सम्बन्धित प्राम के अन्तगत अन्त है इसलिये निर्धारित

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
रु. 1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs. 1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

X 193052

11

सरकारी रु. 27,00,000/- प्रति वर्षोत्तर के बिलान से विक्रीत
रु. 1341 मिलियन की नालियत रु. 8,20,700/- मिली है तथा
विक्रय मूल्य, भूमि की बाजार मूल्य से अधिक है इसलिये नियमानुसार
विक्रय मूल्य पर ही रु. 2,24,100/- पानसत अदाय्य अदा किया जा
रहा है। भूमि में कोई भी इन्फ्रिंजमेंट नहीं है तथा किसी प्रकार की
आवासीय गतिविधियां नहीं चल रही है व कोई गलतफूह, दुर्घना भी नहीं
है तथा 200 मीटर के अर्न्तगत में कोई निर्माण नहीं है विक्रीत भूमि
शिली रिक नाम, राजमारा व राजपरीव मार्ग पर स्थित नहीं है।
विक्रीत भूमि सुजानपुर रोड की दूरी समर रुहीव का से लगभग 200
मीटर से अधिक दूरी पर स्थित है। निर्देशनाम अनुसूचित जाति अथवा

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the document, including names like 'Rajmara' and 'Rajpariw'.

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

₹.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



-17-

विक्रयानाम की रकम 5,00,435/- द्वारा बैंक सख्या- 142422 61
दिनांकित 18/04/2012 में ज्ञान नेशनल बैंक, इन्फरमेशन लखनऊ
से प्राप्त हुए।

विक्रयानाम की रकम 5,00,435/- द्वारा बैंक सख्या- 142422 70
दिनांकित 18/04/2012 में ज्ञान नेशनल बैंक, इन्फरमेशन लखनऊ
से प्राप्त हुए।

विक्रयानाम की रकम 5,00,150/- द्वारा बैंक सख्या- 142422 71
दिनांकित 18/04/2012 में ज्ञान नेशनल बैंक, इन्फरमेशन लखनऊ
से प्राप्त हुए।

Handwritten signatures and stamps at the bottom of the page, including the name 'जयप्रकाश' and other illegible text.

भारतीय नैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये

रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES

Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

X 19305

-10-

जगताले का सदस्य नहीं है। इस बैंकब विनाल के निबन्धन का समस्त अर्थ फंडा द्वारा खन दिया गया है।

3. दिनांक 14/04/2012 मयाब नेशनल बैंक, इलाहाबाद अकाउन्ट फंडा से प्राप्त हुए।

जर्जिफिक. मुगलान विवरण

3.3 दिनांक 14/04/2012 मयाब नेशनल बैंक, इलाहाबाद अकाउन्ट फंडा से प्राप्त हुए।



 3.3 दिनांक 14/04/2012 मयाब नेशनल बैंक, इलाहाबाद अकाउन्ट फंडा से प्राप्त हुए।

भारतीय गैर न्यायिक INDIA NON JUDICIAL

एक हजार रुपये
रु.1000

ONE THOUSAND RUPEES
Rs.1000

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH



-18-

- 3. वित्तदायक को रु0 2,00,000/- द्वारा चेक संख्या- 1428272 दिनांकित 18/04/2012 पंजाब नेशनल बैंक, इन्डियन स्टेशन रोड, लखनऊ से प्राप्त हुए।
- 4. वित्तदायक को रु0 2,00,000/- द्वारा चेक संख्या- 1428273 दिनांकित 18/04/2012 पंजाब नेशनल बैंक, इन्डियन स्टेशन रोड, लखनऊ से प्राप्त हुए।
- 5. वित्तदायक को रु0 2,00,000/- द्वारा चेक संख्या- 1428274 दिनांकित 18/04/2012 पंजाब नेशनल बैंक, इन्डियन स्टेशन रोड, लखनऊ से प्राप्त हुए।

[Signature] [Stamp] [Signature] [Stamp] [Signature] [Stamp]



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

AZ 905296

8. विवेकायुक्त को रु० 33,540/- द्वारा एक सखा - 1088925 दिनांकित 18/04/2012 पत्रानु नैऋत्यायिक रु० 10000000 लक्षमक कंता से प्राप्त हुए।

9. विवेकायुक्त को रु० 89,240/- द्वारा एक सखा - 1088925 दिनांकित 18/04/2012 पत्रानु नैऋत्यायिक रु० 10000000 लक्षमक कंता से प्राप्त हुए।

10. विवेकायुक्त को रु० 1,01,000/- द्वारा एक सखा - 1088925 दिनांकित 18/04/2012 पत्रानु नैऋत्यायिक रु० 10000000 लक्षमक कंता से प्राप्त हुए।

उत्तर प्रदेश सरकार
 उत्तर प्रदेश
 उत्तर प्रदेश सरकार
 उत्तर प्रदेश सरकार

Mr. Bhanu
Bhanu

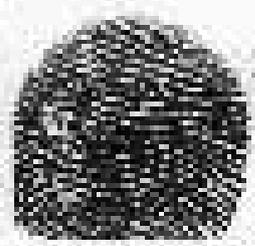
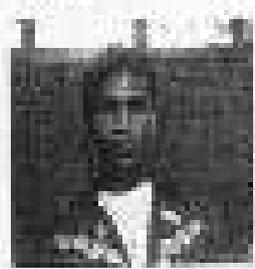
1000

Registration No. 724

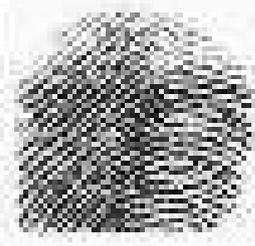
Date 2017

Age 17

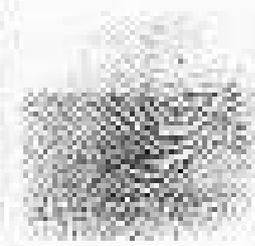
0106 Bhanu Kumar
Bhanu Kumar
पुस्तक संकलन संख्या 1000
पृष्ठ



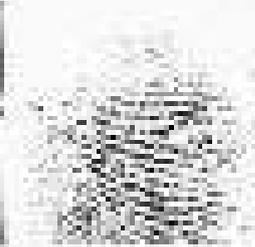
0107 Bhanu Kumar
Bhanu Kumar
पुस्तक संकलन संख्या 1000
पृष्ठ



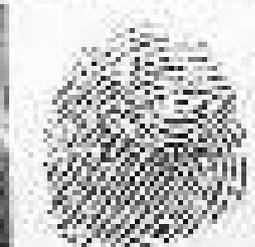
0108 Bhanu Kumar
Bhanu Kumar
पुस्तक संकलन संख्या 1000
पृष्ठ



0109 Bhanu Kumar
Bhanu Kumar
पुस्तक संकलन संख्या 1000
पृष्ठ



0110 Bhanu Kumar
Bhanu Kumar
पुस्तक संकलन संख्या 1000
पृष्ठ



इस प्रकार विक्रयानाम की कुल विकल्प मूल्य रु. 32,00,000/- (32 करोड़ लाख रु. सौ छब्बीस लाख) केन्द्र से प्राप्त हुए विभागीय पारित विक्रयानाम अंशकार करता है तथा इन कोई भी अंशकार विक्रयानाम के लेना से लेना रोक नहीं है।

लक्षणा

दिनांक : 15.04.2012

पृष्ठ :





2 करोड़ बीस हजार
श्री. राजेश कुमार
कोषाध्यक्ष (अंशकार)

उपस्थित
लक्षणा सिंह
सिविल कोर्ट लक्षणा

अतिथि कार्यकर्ता
विशेष कुमार सिंह
एडवोकेट
सिविल कोर्ट लक्षणा

संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३

संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३

संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३



संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३

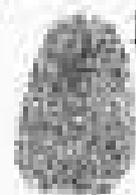
संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३



संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३



संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३



संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३

संस्कृत-भाषा-श्रीमद्भागवत-पुराण-विशेष-वर्णन-संग्रह-०१-०२-०३

क्र. सं. दिनांक 18/04/2012 ए

पृष्ठ सं. 1 दिनांक 14/11/10

पृष्ठ सं. 317 से 358 का प्रमाण 7434

संलग्नक संख्या

संलग्नक संख्या



श्री. के. सिंघा

जय प्रियदर्शन (प्रमुख)

लखनऊ

18/4/2012

